सीबीएसई कक्षा 12 इतिहास

पाठ – 11 विद्रोही और राज 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

पुनरावृत्ति नोट्स

स्मरणीय बिन्दु-

1. 10 मई 1857 को यह आंदोलन मेरठ छावनी से प्रारंभ हुआ।
2. 11 मई, 1857 को विद्रोहियों ने मुगल बादशाह बहादुरशाह 'जफर' को अपना नेता चुना और विद्रोह ने वैधता हासिल की।
3. विद्रोहियों का मुख्य केन्द्र सरकारी इमारतों पर हमला था। किसानों के विद्रोह में शामिल हो जाने के बाद साहूकार और अमीर भी विद्रोहियों के निशाने पर आ गए।
4. विद्रोह को दबाने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले अंग्रेज़ सेनापति थे जेम्स ऑट्रम, हेनरी हेवलॉक, कॉलिन कैम्पवेल, सर ह्यूग रोज आदि।
5. 1857 में विद्रोहियों ने आपस में एकता स्थापित करने के लिए-
   i. घोषणाओं में जाति और धर्म को भेदभाव नहीं किया गया
   ii. नवाबों और मुस्लिम शासकों ने बिन्दुओं का भी ख्याल रखा
   iii. विद्रोह को हिन्दू और मुसलमान दोनों के लाभ-हानि से जोड़ा गया।
6. 1857 के प्रमुख कारण-राजनीतिक, आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक व सैनिक थे। तात्कालिक कारण-चर्बी वाले कारतूसों का प्रयोग था।
7. 1857 के विद्रोह के प्रमुख नेता थे- नाना साहिब, रानी लक्ष्मीबाई, बहादुरशाह जफर, मौलवी अहमदुल्ला शाह, शाह मल इत्यादि।
8. लार्ड डलहौजी ने 1850 के दशक की शुरूआत तक मराठा भूमि, दोआब, कर्नाटक पंजाब और बंगाल पर जीत हासिल की (दत्तक निषेध की नीति के द्वारा)
9. अवध में विभिन्न प्रकार की पीड़ाओं ने राजकुमारों, ताल्लुकदारों किसानों और सिपाहियों को एक दूसरे से जोड़ दिया था। वे सभी फिरंगी राज के आगमन को विभिन्न तर्कों में एक दुनिया की समाप्ति के रूप में देखने लगे।
10. अवध को 'बंगाल आर्मी की पौधशाला' कहा जाता था।
11. लॉर्ड डलहौज़ी ने 1851 में अवध की रियासत के लिए यह कहा- कि 'ये गिलास फल (Cherry) एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा'।
12. लॉर्ड विलियम बेंटिंक ने पश्चिमी शिक्षा पश्चिमी विचारों और पश्चिमी संस्थानों के जरिए भारतीय समाज को 'सुधारने' के लिए सती प्रथा के खत्म करने (1829) और हिंदू विधवा को वैधता देने के लिए कानून बनाए थे। भारतीय समाज के कुछ तबकों की मदद में बेंटिंक ने अंग्रेजी माध्यम के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्थापित किए।
13. अंग्रेजों ने कुछ बहानों के जरिए शासकीय दुर्बलता और दत्तकता (गोद लेना) को अवैध घोषित करके झांसी और सतारा तथा अन्य बहुत सारी रियासतों को अपने क़ब्ज़े में कर लिया।
14. चर्बी वाले कारतूसों और दूसरी अफ़वाहों ने भारतीय स्वतंत्रता के बीज को बो दिये।

15. 1801 में अवध में सहायक संधि थोप दी गई तथा 1856 में अवध का अंग्रेज़ी राज्य में अधिग्रहण कर लिया गया। तथा वहाँ के शासक नवाब वाजिद अली शाह को कलकत्ता निसकासित कर दिया गया। इसकी शर्तें थी- नवाब अपनी सेना खत्म कर दे, रियासत में अंग्रेजी टुकड़ियों की तैनाती की इजाज़त दे और दरबार में मौजूद ब्रिटिश रेजीडेंट की सलाह पर काम करे।
16. 1856 में एकमुश्त बंदोबस्त के नाम से ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था लागू कर डी गई इसके अंतर्गत ताल्लुकदारों को उनकी जमीनों से बेदखल किया जाने लगा।
17. विद्रोही उद्घोषणाए इस व्यापक डर को व्यक्त करती थी कि अंग्रेज़ हिंदुओं और मुसलमानों को जाति और धर्म को नष्ट करने पर तुले हैं और वे लोगों को ईसाई बनाना चाहते है। इसी डर की वजह से लोग चल रही अफवाहों पर भरोसा करने लगे।
18. अंग्रेज़ों ने उपद्रव शांत करने के लिए फौजियों की आसानी के लिए कई कानून पारित कर दिए थे। 1 मई और जून, 1857 में समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू कर दिए गए तथा विद्रोह के बारे में कई चित्र, पेंसिल से बने रेखांकन, उत्कीर्ण चित्र, पोस्टर, कार्टून और बाज़ार प्रिंट पर उपलब्ध है।
19. 1857 के विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में याद किया जाता तथा क्योंकि इसमें देश के हर तबके के लोगों ने साम्राज्यवादी शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।
20. **फिरंगी** - फारसी भाषा का शब्द है जो संभवतः फ्रैंक (जिससे फ्रांस का नाम पड़ा है) से निकला है। इसे उर्दू और हिंदी में पश्चिमी लोगों का मजाक उड़ाने के लिए कभी-कभी इसका प्रयोग अपमानजनक नज़रिए से भी किया जाता है।
21. **रेजीडेंट** - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी काल से ही रेजीडेंट गर्वनर जनरल के प्रतिनिधि को कहा जाता था उसे ऐसे राज्य में तैनात किया जाता था। जो अंग्रेज़ों के सीधे शासन के तहत नहीं था।
22. 1857 का विद्रोह कई कारणों से सफल न हो सका। परन्तु इस विद्रोह के परिणाम 90 वर्ष बाद रंग लाये और भारत को 15 अगस्त 1947 को साम्राज्यवादी सत्ता से मुक्ति मिली।
23. 1857 के विद्रोह का प्रारंभ मंडल पांडे के बलिदान से हुआ जो कि बैरकपुर (बंगाल) में 34 वीं रेजीमेंट के सिपाही थे।

महत्वपूर्ण बिंदु-

1. विद्रोह का ढर्रा

- विद्रोह की खबर एक शहर से दूसरे शहर पहुँचना
- हर छावनी में विद्रोह का घटनाक्रम

1.1 सैन्य विद्रोह कैसे शुरू हुए

- विद्रोह के विभिन्न संकेत
- कहीं तोप का गोला दागना तो कहीं बिगुल बजाना
- शास्त्रागार पर कब्जा और सरकारी खजाने को लूट लाना
- समवेत स्वर फिरंगियों के खिलाफ अपीलें जारी करना
- विद्रोह में आम लोगों को शामिल होना

1.2 संचार के माध्यम

- अच्छा संचार का स्थापित होना
- योजना समन्वित और असरदार होना
- सामूहिक निर्णय

1.3 नेता 5 नेताओं का उभरकर आना

1.4 अफवाहें और भविष्यवाणियाँ

- ब्रिटिश शासन के खिलाफ अफवाहें फैलाना
- लार्ड हार्डिंग के विरूद्ध षड़यंत्र रचना

1.5 लोग अफवाहों में विश्वास क्यों कर रहे थे?

- लोगों के जहन में डर संदेह मूल कारण
- सती प्रथा और हिन्दू विधवा विवाह
- अंग्रेजी प्रणाली का हृदयहीन, परायी और दमनकारी होना

2. अवध में विद्रोह

2.1 एक गिलास चेरीफल

- 1801 में अवध से सहायक संधि की योजना
- 1851 में लार्ड डलहौजी का बयान
- 1851 में अवध का अधिग्रहण होना

2.2 देह से जान जा चुकी थी

- वाजिद अली शाह को कलकत्ता निष्कासित करना
- अवध से नवाब के निष्कासन से जनता को बेहद दुख और अपमान का सामना

2.3 फिरंगी राज का आना और एक दुनिया का खात्मा

- अवध के अधिग्रहण से केवल नवाब की गद्दी न छीनी जाना उसके ताल्लुकदार को भी लाचार करना
- 1857 में एकमुश्त बंदोबस्त का लागू होना
- एक पूरी सामाजिक व्यवस्था का भंग होना
- पुरानी दुनिया का खात्मा

3. विद्रोही क्या चाहते थे

3.1 एकता की कल्पना

- विद्रोही विद्रोहियों द्वारा सामाजिक एकता स्थापित करना
- हिन्दुस्तानी फौजियों को उनका हक दिलाना
- हिंदू धर्म और इस्लाम की रक्षा करना, इसाई धर्म को फैलाने से रोकना

3.2 उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ

- फिरंगी राज के उत्पीड़िन को रोकना
- ब्रिटिश भूराजस्व व्यवस्था को नकारना
- व्यापक सार्वजनिक भलाई को करना

3.3 वैकल्पिक सत्ता की तलाश

- ब्रिटिश शासन के ध्वस्त होने के बाद दिल्ली, लखनऊ, कानपुर में वैकल्पिक सत्ता की तलाश
- पुरानी दरबारी संस्कृति का सहारा लेना
- मुगल व्यवस्था से मिलती-जुलती व्यवस्था अपनाना

4. दमन

- अंग्रेजी द्वारा विद्रोह कुचलना आसान न होना
- मार्शल लॉ काम न आना
- अनेक टुकड़ियों द्वारा हरके इलाका छाना जाना
- जमींदारों को फुसलाने का प्रयत्न करना
- किसानों का बुरा हाल बनाना

5. विद्रोह की छावियाँ

- विद्रोहियों की घोषनाएँ, सूचनाएँ और पत्र
- केवल अंग्रेजी दस्तावेज ही आधार नहीं
- जनता की भावनाओं को भड़काना और प्रतिशोधण के लिए प्रेरित करना

5.1 रक्षकों का अभिनंदन

- अंग्रेजी पदाधिकारियों का अभिनंदन
- विद्रोह को कुचलने वाले अधिकारियों को महामड़ित करना

5.2 अंग्रेज औरतें और ब्रिटेन की प्रतिष्ठा

- अंग्रेज औरतों और बच्चों को मन में भय पैदा करना
- अंग्रेजियत और ईसाईयत की रक्षा

5.3 प्रतिशोध और प्रदर्शन

- अंग्रेजी द्वारा प्रतिशोधात्मक और सबक सीखने की योजना तैयार करना

5.4 दहशत का प्रदर्शन

- विद्रोहियों को मौत के घाट उतार जाना

5.5 दया के लिए कोई जगह नहीं

- अंग्रेजों के हृदय में दया की गुजारिश न होना
- खौफनाक दृश्य का उपस्थित होना

5.6 राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना

- विद्रोहियों में राष्ट्रवादी भावना का कूट कूट कर भरना
- विद्रोही नेताओं को राष्ट्र नायकों के रूप में प्रस्तुत करना
- साहित्य और चित्र में राष्ट्रनायकों की वीरगाथा का गुणगान करना